

रात में दिन

मैं वैशाली हूँ। मेरे बाबूजी सब्जी बेचते हैं। इस काम में अम्मा, भैया, छोटू और मैं भी मदद करते हैं। पता है, हम काम कब शुरू करते हैं? सुबह के तीन बजे। जब बहुत से लोग गहरी नींद में सोए होते हैं, तब हम अपना काम शुरू करते हैं। बाबूजी, अम्मा, भैया और मैं, पिछले दिन की बची हुई सब्जियाँ बोरियों और टोकरियों में से निकालते हैं। ताज़ी सब्जियाँ जो मंडी से लानी होती हैं। कभी-कभी छोटू भी इस काम में मदद करता है।

काम को निबटाकर जब सब चाय पी रहे होते हैं, तो टैम्पो के हॉर्न की पों-पों... सुनाई देती है। फिर बाबूजी, भैया और चाचू, मोहल्ले के और लोगों के साथ टैम्पो में सब्जी लेने मंडी जाते हैं।

○ क्या तुम्हारे घर में भी किसी को सुबह बहुत जल्दी उठना पड़ता है? किस समय? किस काम के लिए?

दिन की तैयारी

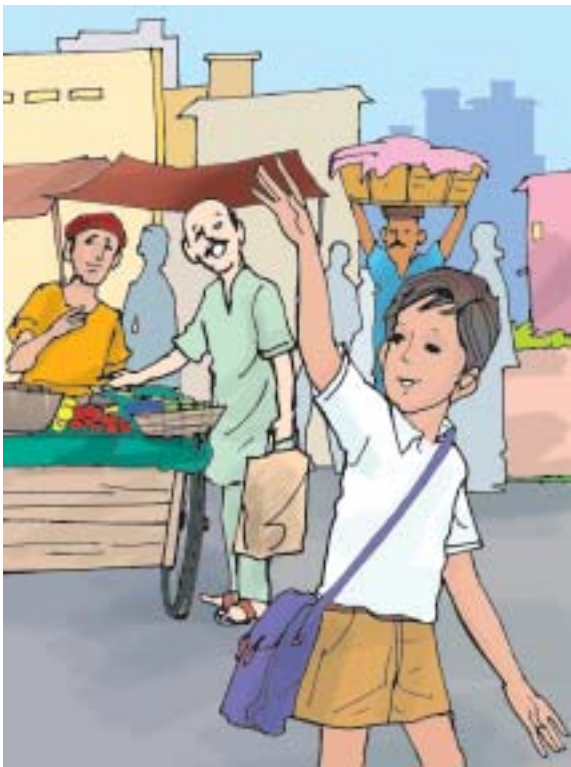
बाबूजी के जाने के बाद छोटू, अम्मा और मैं पिछले दिन की बची सब्जियों को बोरियों पर रखकर पानी छिड़कते हैं। सुबह लगभग 6.30 बजे तक बाबूजी मंडी से ताज़ी सब्जियों के टोकरे और बोरे लेकर घर पहुँच जाते हैं। उस समय तो मानो घर में ही सब्जीमंडी लग



जाती है—बैंगन, आलू, टमाटर, भिंडी, पेठा, घीया, मिर्ची आदि सब चारों तरफ़ दिखते हैं। घर के सब लोग मिलकर इन सब्जियों को छाँटते हैं। जो सब्जियाँ कच्ची होती हैं और बेचने के लिए तैयार नहीं होती, उन्हें अलग रख देते हैं। ये सब काम जल्दी-जल्दी खत्म करने की कोशिश होती है, जिससे बाज़ार जल्दी पहुँचा जा सके।

मंडी से घर तक

सात बजे तक सब्जियों को ठेले पर लगाकर बाबूजी और भैया बाज़ार चले जाते हैं। बाबूजी कहते हैं कि अगर देर हो जाए, तो ग्राहक दूसरे सब्जी वालों से सब्जियाँ खरीद लेते हैं। बाबूजी के जाने के बाद मैं स्कूल के लिए जल्दी-जल्दी तैयार होती हूँ। मुझे भी तो 7.30 बजे तक स्कूल पहुँचना होता है।



बाबूजी बाज़ार में

छोटू का स्कूल दोपहर का है। वह थोड़ा आराम करके बाबूजी और भैया के लिए नाश्ता लेकर बाज़ार पहुँच जाता है। थोड़ी देर वह ठेले के पास रहता है, फिर दोपहर में स्कूल चला जाता है। कभी-कभी शाम को, स्कूल के बाद भी, वह बाबूजी की मदद के लिए उनके पास जाता है। बाबूजी पिछले दिन की बची हुई सब्जियों को पहले बेचने की कोशिश करते हैं।



बताओ

○ बाबूजी पिछले दिन की सब्जियाँ पहले बेचने की कोशिश करते हैं। वे ऐसा क्यों करते होंगे?

○ क्या तुमने कभी सूखी या सड़ी-गली सब्जी देखी है? कहाँ?

○ तुम्हें कैसे पता चलता है कि सब्जी खराब हो गई है?

जैसे-जैसे पिछले दिन की सब्जियाँ बिकती जाती हैं, भैया बोरियों में से ताज़ी सब्जियाँ निकालकर ठेले पर लगाते जाते हैं। साथ ही सब्जियों पर पानी छिड़कते रहते हैं, जिससे वे सूख न जाएँ, खासकर गर्मियों में। बाबूजी और भैया रात को दस बजे तक सब्जियाँ बेचकर घर लौटते हैं। तब तक मैं और छोटू तो सो चुके होते हैं। घर के बाकी सब लोग 11 से 11.30 बजे तक ही सो पाते हैं। केवल चार घंटे बाद सुबह 3.00 बजे शुरू होता है, हमारे परिवार का नया दिन!

○ नीचे घड़ियों में दिखाए गए समय पर तुम और वैशाली क्या-क्या कर रहे होते हो?



सुबह

वैशाली _____
तुम _____



सुबह

वैशाली _____
तुम _____



रात

वैशाली _____
तुम _____

○ तुम्हारे घर में सब्जियाँ कहाँ से आती हैं? उन्हें कौन लाता है?

सब्जियों के साथ कुछ खेल

- अब की बार जब घर में भिंडी आए, तब कुछ भिंडी लेकर देखो। क्या ये सब भिंडियाँ एक ही नाप की हैं?
- उनमें से सबसे लंबी और सबसे छोटी भिंडी छाँटो और नाप कर लिखो।
- क्या उनके रंग एक से हैं? क्या वे एक जितनी मोटी हैं? दो भिंडियों को लंबाई में काटो। क्या उनमें एक जितने बीज हैं? कॉपी में उनके चित्र बनाओ।
- सीमा की मम्मी बाज़ार से कुछ फल-सब्जियाँ लाई हैं। चित्र में उन्हें ढूँढो और रंग भरो। कॉपी में उनके नाम भी लिखो।



पता करो

○ यहाँ पर कुछ फल और सब्जियों की सूची दी गई है। इनमें से कौन-कौन से फल और सब्जियाँ पहले खराब हो जाएँगे और कौन-से कुछ दिन तक रखे जा सकते हैं? उनके नाम तालिका में ठीक जगह पर भरो। तुम अपनी तरफ़ से कुछ और नाम भी इस सूची में डाल सकते हो।

पालक	आलू	केला	टमाटर	नाशपाती	चीकू	अनानास
लौकी	प्याज़	फूलगोभी	खीरा	अंगूर	अदरक	

जल्दी खराब होने वाले
फल और सब्जियाँ

कुछ दिनों तक रखे जा सकने वाले
फल और सब्जियाँ

इनमें से कुछ फल और सब्जियाँ छूने से चिकनी लगती हैं और कुछ खुरदरी। इनके नाम छोट कर सही सूची में लिखो।

चिकनी सब्जियाँ

खुरदरी सब्जियाँ

मंडी से घर तक

- किसी एक फल या सब्जी का नाम लिखो, जो तुम्हें उठाने में सबसे भारी लगे। उसका चित्र कॉपी में बनाओ।
- तुमने जो फल और सब्जियाँ खाई हैं, उनमें से सबसे हल्का फल या सब्जी कौन-सी है? उसका नाम लिखकर कॉपी में चित्र बनाओ।
- तीन ऐसी सब्जियों के नाम लिखो, जिनमें बीज नहीं होते।

नीचे दी गई तालिका को पूरा करो। तुम इसमें अपनी पसंद के तीन और नाम जोड़ सकते हो।

	रंग	लंबाई	मात्रा	दाम
सेब			(□ किलो)	
केला			(1 दर्जन)	
आलू			(□ किलो)	

- अपने इलाके के किसी सब्जी बेचने वाले व्यक्ति से बातचीत करो। उनसे ये प्रश्न पूछकर कॉपी में एक छोटी-सी रिपोर्ट बनाओ।
 - उनका नाम क्या है?
 - उनके घर में कितने लोग हैं? कितने बच्चे हैं?
 - उनके बच्चों के नाम और उनकी उम्र क्या है।
 - सब्जी बेचने में उनकी मदद कौन-कौन करते हैं?



- ठेले/रेहड़ी/दुकान पर उनके अलावा कौन-कौन बैठते हैं?
- वे कौन-कौन सी सब्जियाँ बेचते हैं?
- वे कितने बजे काम शुरू करते हैं?
- वे दिन में लगभग कितने घंटे काम करते हैं?
- उनसे किन्हीं तीन सब्जियों के बारे में कुछ बातें पता करो—

	सब्जी-1	सब्जी-2	सब्जी-3
सब्जी का नाम			
उसका दाम			
कौन-सी जगह से लाई जाती है?			
एक बार में वे कितनी सब्जी खरीदते हैं?			
यह सब्जी किन महीनों में ज्यादा आती है?			